राजस्थान विश्वविद्यालय शिक्षक के गहन शोध द्वारा जुरासिक काल के प्राचीनतम समुद्री कशेरूकी (मछली व मगरमच्छ) के जीवाश्मों की खोज।

जयपुर– 29 अप्रैल। राजस्थान विश्वविद्यालय जियोलॉजी (भूगर्भ शास्त्र) विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जितेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा अपने गहन शोध के माध्यम से राजस्थान के रेगिस्तानी अंचल जैसलमेर में जुरासिक कालखंड की चट्टानों से मछली एवं मगरमच्छ के जीवाश्मों की खोज की गई है। यह खोज भारत मे जुरासिक कालखंड अर्थात 200 से 145 मिलियन वर्ष पूर्व से खोजे गए समुद्री कशेरूकी (रीढ की हड्डी वाले) जीवाश्मों में लगभग 170 मिलियन वर्ष पुराने हैं। डॉ. शर्मा द्वारा खोजे गए जीवाश्मों मे मछलियों की दो विलुप्त फैमिली पिक्नोडोन्ट एवं हाइबोडोन्ट तथा मगरमच्छ के दांत सम्मिलित हैं।

डॉ. शर्मा द्वारा अपनी इस खोज से जुडे विभिन्न पहलुओं पर हाल ही 27 अप्रैल 2022 को जम्मू विश्वविद्यालय में देश भर से जुडे भूगर्भ शास्त्रियों की उपस्थिति में जानकारी दी। डॉ. शर्मा द्वारा किए गए इस विशिष्ट शोध कार्य से जुरासिक कालखंड से पाए गए इन वर्गों के उपलब्ध भौगोलिक वितरण को विस्तारित करने में महत्वपूर्ण दिशा मिलेगी।

डॉ. भूपेन्द्र सिंह शेखावत
राजस्थान विश्वविद्यालय

Department of Geology
University of Rajasthan, Jaipur
J.L.N. Marg, Jaipur 302004
Mob: + 9414783600
Email:hodgeologyuor@gmail.com

Prof. R.N. Sharma
Head

No. Geol/2022/ 450

Date:-29.04.2022

Press Note

Discovery of the oldest Jurassic marine fish and crocodile fossils of India from Jaisalmer, Rajasthan.

Dr. Jitendra Kumar Sharma, Assistant Professor at the Department of Geology, University of Rajasthan Jaipur discovered the oldest Jurassic (~ 170 my) marine fish and crocodile fossils of India from Jaisalmer, Rajasthan. Dr. Sharma recovered the isolated teeth of crocodiles and extinct fishes during two field sessions in 2018 (May and November) from Jurassic marine rocks exposed near village Joyan, approximately 10 km southeast of Jaisalmer city. Isolated teeth of extinct fishes belong to Pycnodontidae (Bony Fish) and Hybodontidae (shark) families of fishes.

Dr. Sharma was awarded Dr. D.S. Kothari Post Doctoral Fellowship in 2017 for this project by UGC under the mentorship of Professor G.V.R. Prasad at the Department of Geology, University of Delhi.

Dr. Sharma presented this finding at a National Conference (online) on "Resource Potential of the Sedimentary basins and 37th convention of Indian Association of Sedimentologists (IAS- 2022) on April 27, 2022, organized by the Department of Geology, University of Jammu, India. This discovery expands the known geographic distribution of these groups during the Jurassic period.

Head

HEAD
Department of Geology
University of Rajasthan, JAIPUR